ईश्वर परेशानी की जड़ और प्रवाह दोनों को दूर करता है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

“हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के नाम धन्य हो।”
इस अध्ययन में आपका स्वागत है — परमेश्वर का वचन, जो हमारे पथ के लिए प्रकाश है और हमारे पैरों के लिए दीपक। (भजनसंग्रह 119:105)

1. परमेश्वर की मुक्ति सम्पूर्ण है: जड़ और प्रवाह दोनों

जब परमेश्वर अपने लोगों को छुड़ाने के लिए हस्तक्षेप करता है, तो वह केवल दिखने वाली समस्या को ठीक नहीं करता — वह पूरी तरह से उसकी जड़ को उखाड़ देता है और हर छिपी संरचना को भी तोड़ देता है जो उस समस्या को सहारा दे रही हो। दूसरे शब्दों में, वह न केवल परेशानी के स्रोत को हटा देता है, बल्कि उस प्रवाह या प्रणाली को भी समाप्त कर देता है जिससे परेशानी बनी रहती है।

यह बाइबल में एक लगातार दिखाई देने वाला पैटर्न है।

2. प्रकरण अध्ययन 1: हरोद का यीशु के खिलाफ षड़यंत्र

जब यीशु पैदा हुए, राजा हरोद ने उन्हें नष्ट करने की साजिश की (मत्ती 2:13‑16)। लेकिन परमेश्वर ने हस्तक्षेप किया और सपने में एक फ़रिश्ते ने यूसुफ को चेतावनी दी:

ईश्वर परेशानी की जड़ और प्रवाह दोनों को दूर करता है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

“उठ, उस बालक और उसकी माता को ले जा और मिस्र भाग जा, और वहीं रहना जब तक मैं तुझे न कहूँ, क्योंकि हरोद उस बालक को खोजने
पर है, उसे मारने के लिए।”
— मत्ती 2:13

यूसुफ ने आज्ञा मानी। बाद में, जब हरोद मर गया, तब फ़रिश्ते ने फिर से यूसुफ से कहा:

“उठ, उस बालक और उसकी माता को ले जा और इस्राएल के देश में जा, क्योंकि बालक का जीवन लेने की चेष्टा करने वाले मर चुके
हैं।”
— मत्ती 2:20

ध्यान दें: फ़रिश्ता ने यह नहीं कहा कि “हरोद मर गया है,” बल्कि कहा कि “वे जो बालक को मारना चाहते थे वे मर चुके हैं।” इसका अर्थ है कि हरोद अकेला नहीं था। उनके साथी थे — संभवतः अधिकारी, सूचना देने वाले या धार्मिक नेता जो उनकी योजना में शामिल थे। हरोद सिर था, लेकिन उन सभी सहायक भागों को भी हटाना जरूरी था।

ईश्वर परेशानी की जड़ और प्रवाह दोनों को दूर करता है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

परमेश्वर ने यह सुनिश्चित किया कि हर उस नेटवर्क को खत्म किया जाए जो यीशु के लिए खतरा था — जड़ और उसकी लहरों दोनों को।

3. प्रकरण अध्ययन 2: एहमान और फारस में यहूदी

एस्तेर की किताब में, एहमान ने यहूदियों के विरुद्ध नरसंहार की साजिश की (एस्तेर 3:8‑15)। हालांकि एहमान को मृत्युदंड दिया गया, लेकिन खतरा बना रहा क्योंकि उसका दुष्ट आदेश अभी भी लागू था।

रानी एस्तेर और मोर्देचाय ने हस्तक्षेप किया, और राजा ने यहूदियों को आत्मरक्षा की अनुमति दी। परिणाम स्वरूप, सिर्फ एहमान ही नहीं मारा गया, बल्कि राज्य भर में 75,000 दुश्मन जो उसकी योजना में सहभागी थे, उन्हें भी समाप्त किया गया:

“यहूदीयों ने अपने सब दुश्मनों को तलवार से मार डाला,
उन्हें नष्ट कर दिया … सुसा की किले में यहूदियों ने पाँच
सौ पुरुषों को मारा … बाकी यहूदियों ने इत्तर लाख पचहत्तर हजार को मारा लेकिन उन्होंने लूट‑पाट पर हाथ नहीं डाला।”
— एस्तेर 9:5‑16

ईश्वर परेशानी की जड़ और प्रवाह दोनों को दूर करता है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

हरोद की तरह, एहमान भी अकेला नहीं था। वह एक बड़े आध्यात्मिक और सामाजिक खतरे का दृश्य‑चिह्न था। परमेश्वर ने उस पूरी प्रणाली को जिसका निर्माण हुआ था अपने लोगों को नष्ट करने के लिए, पूरी तरह से साफ किया।

4. आध्यात्मिक सूझ‑बूझ: शत्रु अक्सर एक व्यक्ति नहीं, एक प्रणाली होती है

आध्यात्मिक युद्ध में, हमें यह महत्वपूर्ण सत्य समझना चाहिए:

“क्योंकि हमारी लड़ाई मांस और खून से नहीं, बल्कि सरकारों
से, प्राधिकारियों से, इस अंधकार की दुनिया की
नियम‑शक्तियों से, स्वर्ग के स्थानों में बुराई की
आध्यात्मिक शक्तियों से है।”
— इफिसियों 6:12

जो कुछ व्यक्तिगत हमला लगता है, अक्सर वह एक महान शैतानी संरचना का हिस्सा होता है। जब कोई आपके उद्देश्य, आपके सेवा कार्य या आपके परमेश्वर के साथ चलने के मार्ग का विरोध करता है — वह व्यक्ति सिर्फ भाले की नोक हो सकता है। उनके पीछे दानवीय प्रभाव, पीढ़ीगत बंधन या प्रणालीगत बुराई हो सकती है।

ईश्वर परेशानी की जड़ और प्रवाह दोनों को दूर करता है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

और जब परमेश्वर का समय आता है, वह केवल उस व्यक्ति से नहीं निपटता — वह पूरे सिस्टम को ध्वस्त कर देता है।

5. परमेश्वर की मुक्ति के तरीके विविध हैं

बहुत से लोग सोचते हैं कि परमेश्वर को अपने शत्रुओं को शारीरिक रूप से नष्ट करना चाहिए। लेकिन ऐसा हमेशा नहीं होता।

परमेश्वर कर सकते हैं:

आपके शत्रुओं को पुनर्स्थापित करना
आपको सुरक्षित स्थान पर ले जाना
आपके शत्रुओं को मित्रों में बदलना
उनके प्रभाव को शांत करना या उसे निष्क्रिय करना
मन बदलना

“जब किसी मनुष्य के मार्ग हृषिकेश को भाते हैं, तभी वह भी उसके शत्रुओं को उसके साथ शांति में करता है।”
— (नीति 16:7 के उदाहरण के अनुसार)

इस प्रकार, परमेश्वर की मुक्ति मृत्यु, स्थानांतरण, परिवर्तन

ईश्वर परेशानी की जड़ और प्रवाह दोनों को दूर करता है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

या मेल‑जोल के माध्यम से हो सकती है — लेकिन यह हमेशा शांति का परिणाम होती है।

6. आपको क्या करना चाहिए?

उन चीज़ों के बारे में चिन्तित रहने के बजाय कि आपको कौन‑सा प्रार्थना करनी चाहिए “अपने शत्रुओं को खत्म करने के लिए,” अपने जीवन को परमेश्वर के अनुकूल बनाने पर ध्यान दें।

जब आपका जीवन उन्हें भाता है:

वह उन खतरों को हटा देता है जिन्हें आप देखते हैं
और उन खतरों को भी जो आप नहीं देखते

भजनसंग्रह 34:15:
“यहोवा की आँखें धर्मियों पर हैं, और उसकी कान उनकी कराह सुनते हैं।”

1 पतरस 3:12:
“क्योंकि यहोवा की आँखें धर्मियों पर हैं, और उसके कान उनके प्रार्थना को सुनते हैं; परन्तु यहोवा का मुख बुरे कामों को

ईश्वर परेशानी की जड़ और प्रवाह दोनों को दूर करता है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

कर रहे लोगों के विरुद्ध है।”

धर्मपूर्वक जियो, और परमेश्वर न सिर्फ हरोद को बल्कि उनकी नेटवर्कों को भी तुम्हारे जीवन से दूर कर देगा।

7. क्या आपने यीशु मसीह को स्वीकार किया है?

सच्ची शांति तब शुरू होती है जब आप यीशु को अपने जीवन का मालिक (लॉर्ड) मानते हैं। यदि यीशु आज लौटें, तो क्या आप उनके साथ होंगे?

यदि नहीं, तो आज ही उन्हें स्वीकार करने के लिए आमंत्रण है। अनन्त जीवन और दिव्य सुरक्षा क्रूस पर शुरू होती है।

“परन्तु जिन्हें उन्होंने स्वीकार किया, जो उनके नाम पर विश्वास करते हैं, उन्हें परमेश्वर के बच्चों बनने का अधिकार दिया।”
— यूहन्ना 1:12

ईश्वर परेशानी की जड़ और प्रवाह दोनों को दूर करता है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 8

निष्कर्ष:
जब भी परमेश्वर आपके जीवन में हस्तक्षेप करता है, वह पूरी तरह काम करता है। वह सिर्फ स्पष्ट खतरे को नहीं हटाता बल्कि उस भित्तर बहाव को भी समाप्त करता है जो उस खतरे को पोषण देता है। उसका उद्देश्य पूर्ण पुनर्स्थापन और शांति है।

“तू उसे पूर्ण शांति में रखेगा जिसका मन तुझ पर टिका हुआ है; क्योंकि वह तुझ् पर भरोसा करता है।”
— यशायाह 26:3

एक ऐसा जीवन जियो जो उन्हें सम्मान दे — और आप उनकी सम्पूर्ण मुक्ति का अनुभव करेंगे।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp